

**VIDYA BHARTI VIDYALAYA**  
**GANPAT RAI SALARPURIA SARASWATI VIDYA MANDIR**

**NARGAKOTHI, CHAMPANAGAR, BHAGALPUR (BIHAR) 812 004**

Run & Managed by Shishu Shiksha Prabandh Samiti, Bihar



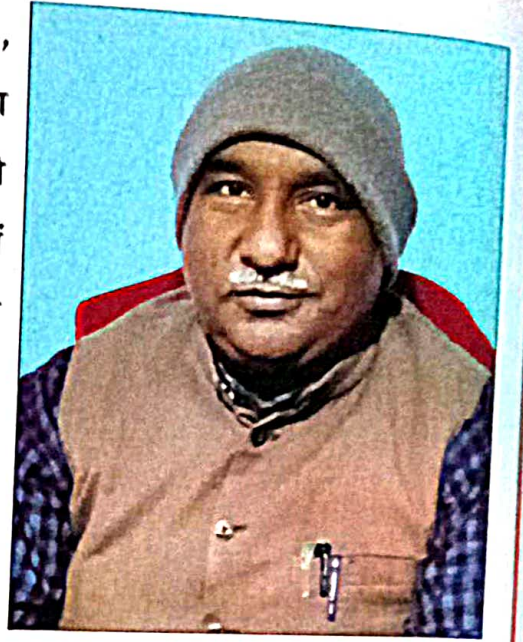
**PROSPECTUS**

Affiliated to CBSE upto +2 Level & N.I.O.S. • Affiliation No. - 330054, School No.-65053  
• e-mail : [grssvmbgp@gmail.com](mailto:grssvmbgp@gmail.com) • website : [www.grssvm.org](http://www.grssvm.org)



## प्रधानाचार्य की कलम से

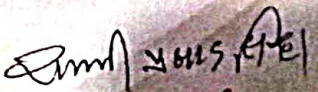
गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर, नरगाकोठी, चम्पानगर, भागलपुर, शिशु शिक्षा प्रबन्ध समिति बिहार द्वारा संचालित विद्या भारती, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली का एक उत्कृष्ट अभिनव शिक्षा केन्द्र है। यह विद्यालय अनुशासन एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के लिए सुख्यात होने के साथ ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों में अग्रगण्य है यहाँ 75 योग्य एवं दक्ष आचार्यों के मार्ग-दर्शन में 2200 भैया-बहन अध्ययनरत हैं यहाँ कक्षा प्रथम से बारहवीं तक की शिक्षा की उत्कृष्ट व्यवस्था है। विद्यालय सभी प्रकार की आधुनिक, भौतिक संसाधनों से युक्त है यथा सभी विषयों की प्रयोगशालाएँ, समृद्ध पुस्तकालय, वाचनालय आधुनिक विशाल कक्ष एवं विस्तृत खेल-मैदान। हम UNESCO की शिक्षा की अवधारणा।



"The education must be committed to progress and rooted to culture" के अनुरूप आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा के साथ ही सह-शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं नैतिक तथा अध्यात्मिक विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील है। विद्यालय में खेल-कूद, योग, संगीत एवं चित्रकला की सुव्यवस्थित सुविधाएँ एवं वातावरण तथा अध्यात्मिक परिवेश भैया-बहनों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास में विशेष रूप से सहायक है। वास्तव में हम विवेकानन्द के उस शैक्षिक दर्शन को मूर्त रूप देने में लगे हैं जिसके अनुसार "The education is the manifestation of perfection, already inherent in the human being" विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे CPT, CLAT, JEE-Mains, NEET, AIIMS, IISER आदि में हमारे भैया-बहनों की सफलता हमारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। खेल-कूद की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी हमारे कई भैया-बहनों ने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी है।

संक्षेप में यदि कहे तो विद्यालय संस्कारयुक्त आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा देते हुए एक योग्य, दक्ष, सक्षम उत्तरदायी एवं राष्ट्रभक्त नागरिक के साथ-साथ भविष्य का नेतृत्व तैयार करने में लगा है।

सधन्यवाद!

  
प्रधानाचार्य



**PATRONIZED BY VIDYA BHARTI AKHIL BHARTIYA SHIKSHA SANSTHAN**  
**AFFILIATED TO CBSE DELHI**



Ganpat Rai Salarpuria Saraswati Vidya Mandir is Situated on the bank of Ganga at Nargakothi, Champanagar, Bhagalpur, located in the west of T.M. University, linking Railway Station, Bhagalpur through NH-80. The Vikramshila bridge over it connects it to all the northern districts of Bihar. The world famous vikramshila vishwavidyalaya established by Pal Dynasty is situated about 30 km east which is the best known for its education.

Chamanagar in Bhagalpur, the capital of ancient Angpradesh where karna of Mahabharata built his fort at karngarh. Situated 1 km, south from the school, has been an ancient town with a chequered history.

Jain Mandir located at champanagar and is also a commercial centre for manufacturing and trading of silk goods.

Ganpat Rai Salarpuria Saraswati Vidya Mandir is known for its holistic approach to education with a serene salubrious ambition inside the campus. Which facilitates a proper environment for education and fruitful meaning of life.



## FOUNDATION AND OBJECTS

The school was founded on 5th January 1989 by a social worker Puranmal Bajoria, an educationist Sri Jagdish Prasad Upadhyay and other social workers under the umbrella of Vidya Bharti, Akhil Bharatiya Siksha Sansthan Delhi, With aim to focus on Indian culture and life Philosophy and to inculcate the values of life in the student with the name of Saraswati Vidya Mandir, Nargakothi, governed by Shishu Shiksha Prabandh Samiti Bihar, Patna. In 1995 after being received a major donation for a part of land and building from Salarpuria Public Charity Trust Kolkata the School is known as Ganpat Rai Salarpuria Saraswati Vidya Mandir, Nargakothi, Champagnagar, Bhagalpur. based on Indian culture and life values. Besides having made manifold progress since its inception the School enjoys the reputation of being a prestigious institution in northeast Bihar.

## INFRASTRUCTURE

The school is situated in a land of 8 acres, the School caters to the needs of the modern education system. The school has its state of the art building with ample physical infrastructure which includes Fully furnished Spacious digital classrooms and language labs. Well equipped laboratories for each Maths, Physics, Chemistry, Biology, Computer and Geography. A library with treasure of 10,000 books on various subjects and has a capacity to accommodate 100 students in chairs at a time. A multipurpose Yoga cum Audio - Visual hall separate Administrative Block Automated School System through Basic school software. Two vast playgrounds for outdoor game CCTV equipped campus. Accommodation with all modern facilities - Fully Air Conditioned Computer Lab.

## स्थापना एवं उद्देश्य

की स्थापना 5 जनवरी, 1989 को एक कार्यकर्ता श्री पूरनमल बाजोरिया समाजसेवी व शिक्षाविद श्री जगदीश प्रसाद उपाध्याय एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली के अन्तर्गत सरस्वती विद्या मंदिर, नरगाकोठी के नाम से किया गया, जो शिशु शिक्षा समिति बिहार, पटना के निर्देश पर कार्य करती है। सन् 1995 में सलारपुरिया पब्लिक चैरिटी ट्रस्ट कोलकाता द्वारा जमीन दिए जाने और स्कूल के नए भवन निर्माण के पश्चात यह विद्यालय गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर के नाम से जाना जाता है। हमारा उद्देश्य ऐसी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके, जो भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों को संरक्षित रखने में सक्षम हो।

## परिसर

लगभग 8 एकड़ के विस्तृत भूखण्ड पर फैला विद्यालय परिसर आधुनिक शिक्षा तकनीकी में सम्मिलित सभी आधारभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण है। सुसज्जित डिजिटल कक्षा - कक्षों के अतिरिक्त गणित, भौतिक, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर एवं भूगोल की आधुनिक प्रयोगशालाओं से युक्त प्रयोगिक खण्ड, 10,000 पुस्तकों एवं 100 छात्रों के बैठने की क्षमता से युक्त समृद्ध पुस्तकालय, बहुदेशीय विशाल कक्ष एवं विभिन्न प्रशासनिक कक्षों के सम्पादन के लिए अलग प्रशासनिक खण्ड है। संगीत, योग एवं कला के लिए अलग-अलग सुसज्जित कक्ष हैं। विभिन्न खेलों के अभ्यास के लिए दो बड़े-बड़े खेल के मैदान हैं। विद्यालय की सभी व्यवस्थाएँ सॉफ्टवेयर आधारित हैं। सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास व्यवस्था है। वातानुकूलित संगणक कक्ष है।



## ACCOMODATION

The school has 30 spacious and well ventilated dormitories to accomodate about 300 boarding students (Boys and Girls separately at a time) surrounded by shady green trees.

## आवास

विद्यालय में 30 आवासीय कक्ष हैं। कुल 300 बच्चा एवं बहनों के रहने की अलग-अलग व्यवस्था है। कमरे खुले और हवादार हैं। विद्यालय चारों ओर से हरे-भरे छायादार वृक्षों से घिरा हुआ है।



## MEALS

Borders are served with pure vegetarian and balance diet along with milk. To provide a homely atmosphere, teachers take their meals with the students.

## भोजन

विद्यार्थियों को शुद्ध-शाकाहारी भोजन दिया जाता है। घरेलु वातावरण की तरह आचार्यगण भी विद्यार्थियों के साथ ही अपने भोजन ग्रहण करते हैं।



## MEDICAL FACILITY

First Aid Facilities are available round the clock in the school. Periodical medical tests are also done by qualified doctors. However, on account of some serious disease or some recurring health problems, a student is sometimes sent back in the custody of his parents.

## चिकित्सा

छात्र-छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए उपयुक्त व्यवस्था है। योग्य एवं अनुभवी चिकित्सकों की सेवायें उपलब्ध करवाई जाती हैं। गंभीर एवं दीर्घकालीन समस्या उत्पन्न होने पर छात्र को अभिभावक के संरक्षण में भेज दिया जाता है।



## FACILITIES IN GENERAL

Service like laundry's, barbers and cobblers are available within the hostel premises. An eco-friendly silent genset has been installed to ensure round the clock power supply.

## सामान्य सुविधाएँ

छात्र-छात्राओं के वस्त्र धुलवाने तथा बाल कटवाने की सुविधा विद्यालय परिसर में उपलब्ध है। दिवा-रात्रि रोशनी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जनरेटर की सुविधा है।

# ALL ROUND DEVELOPMENT PROGRAMME

## सर्वांगीण विकास के आयाम

### PHYSICAL EDUCATION

We, at GRSSVM, Strongly believe that 'A healthy mind lives in a healthy body' and the role of games and sports in building good health is universally known. We have made it mandatory for our students to participate in physical drills and games. It is a matter of proud to mention that our players have kept the school flag higher in sports competitions at all levels. A number of students represents in SGFI (Student Games Federation of India)

### शारीरिक शिक्षा

गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर का यह विश्वास रखता है कि 'स्वस्थ शरीर में ही मानसिकता फूलती-फलती है।' अतः विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा के नीति निर्देशों के अनुरूप शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य बनाया गया है। विद्यालय के खिलाड़ी राज्य, राजकीय, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड तथा विद्या भारती की स्पर्धाओं में राष्ट्रीय स्तर तक की उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।





## YOGA

A Gift of India to the world, Yoga has come to be realized globally as the most effective method of keeping everyone Physically fit, mentally balanced and spiritually and morally up lifted. Our everyday yoga session in the morning assembly help the children in multi faceted ways.

## योग

छात्र-छात्राओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए योग शिक्षा के महत्व को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसलिए योग शिक्षा को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य बनाया गया है।



## MUSIC

If games and yoga tone one's body and mind, music is a soothing stimulant for one's soul. Not only it is a carrier of our age old moral values but it also helps in developing one's emotional skills

## संगीत

यदि खेल-कूल और योग विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर और मजबूत मानसिकता प्रदान करते हैं वहीं भावनात्मक विकास एवं संस्कारों के सहज सम्प्रेषण के लिए संगीत को सर्वोत्तम माध्यम माना गया है। नियमित संगीत कक्षाओं के अतिरिक्त विद्यालय के प्रत्येक छोटे-बड़े आयोजन को संगीतमय बनाया जाता है।





## MORAL AND SPIRITUAL EDUCATION

For a child to grow into a responsible citizen possessed with competence, self-esteem and brimming with the real for social services, our saints and sages have identified certain distinct moral values of life which need to be communicated to the younger generation.

## नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा

जिम्मेदार, स्वाभिमानी और सेवाभावी नागरिकों के निर्माण के लिए ऐसे जीवन मूल्यों को चिन्हित किया गया है जो विभिन्न अवसरों पर छात्रों को संप्रेषित कर योग्य दिशा प्रदान करता है। इन्हीं जीवन मूल्यों के समुच्चय से नैतिक आध्यात्मिक शिक्षा का व्यवस्थित पाठ्यक्रम बनाया गया है।



## SANSKRIT THE TREASURE OF WISDOM

The Indian ancient literature is abundant in all those rare works which still have a unique potential to nourish various modern disciplines of knowledge. It is required of every Indian student to be well versed with sanskrit to have a deep into that vast ocean of knowledge and gain competence to be at the pinnacles of the international standards both with self-esteem and proficiency.

## संस्कृत वाङ्मय

भारतीय पुरातन साहित्य संस्कृत वाङ्मय में असंख्य उपलब्ध हैं, जो आधुनिक ज्ञान विज्ञान के अविष्कार करने का असीम सामर्थ्य रखते हैं। वर्तमान परिपेक्ष्य में पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति को विश्वपटल पर स्वाभिमान के साथ सामने लाने तथा अपनी समृद्ध वैचारिक विरासत का विश्वव्यापी प्राचार करने के लिए प्रत्येक छात्र-छात्राओं के पास संस्कृत का ज्ञान अति आवश्यक है। संस्कृतविषय कक्षा षष्ठ से दशम तक के सभी छात्र-छात्राओं के लिए अनिवार्य है।

## SANSKRITI BODH PARIYOJNA

The project was started by vidya Bharti to acquaint the students with their age old cultural heritage. More than a million students throughout the nation appear every year in the SANSKRITI GYAN PARIKSHA Essay writing competitions and quiz contests are also held under this projects.

## संस्कृति बोध परियोजना

हमारे देश की महत्तम सांस्कृतिक विरासत नई पीढ़ी को हस्तारित करने तथा हमारे श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का क्रमिक परिचय छात्र-छात्राओं से कराने के उद्देश्य को लेकर विद्या भारती ने संस्कृति बोध ज्ञान परीक्षा प्रारंभ की है। इस परीक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी को उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।



## EXCURSIONS

Time to time educational trips for students are organized. This not only broadens their mental horizon but also helps children integrate with nature and our rich hertiage. For instance the following places have been visited in the last few academic sessions :

RAJGEER, BODH GAYA,  
VIKRAMSHILA, RAJRAPPA, NALANDA,  
DEOGHAR & MANDAR PARVAT, BOUNSI.



## शैक्षणिक परिभ्रमण

समय-समय पर भैया, बहनों के लिए शैक्षणिक परिभ्रमण का भी आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के शैक्षणिक परिभ्रमण से भैया, बहनों का बौद्धिक स्तर बढ़ाया जाता है अपितु ये अपने देश और संस्कृति से भी साक्षात्कार करते हैं। विगत कुछ सत्रों में भैया, बहनों को राजगीर, बोधगया, विक्रमशिला, रजरप्पा, नालंदा, देवघर और मंदार पर्वत, बाँसी का परिभ्रमण कराया गया है।

## HOUSE SYSTEM

The school follows a house system where the students are divided into six houses named after the saints and the great persons of our country those are-

MANU, VARDHMAN SIDHARTH,  
NARENDRA, CHAITANYA & KESHWAV.

The house system breeds among the students virtues like team manship, commitment, sharing and healthy competition like debates, elocution, poem recitation, calligraphy, poster making etc. which are conducted to help students realize their potency.

## सदन व्यवस्था

विद्यालय के सभी भैया, बहनों को छः सदनों में विभाजित किया गया है। इन सदनों के नाम स्वतंत्रता सेनानी, महापुरुष एवं संतों के नाम पर रख गया है।

मनु सदन

नरेन्द्र सदन

वर्धमान सदन

चैतन्य सदन

सिद्धार्थ सदन

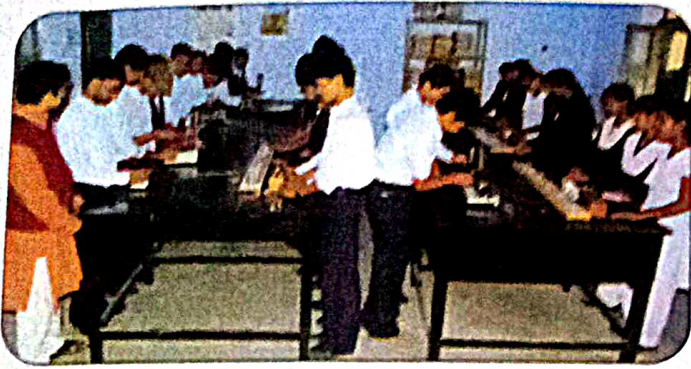
केशव सदन

सदन व्यवस्था के माध्यम से अनेक पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ आयोजित की जाती है।

राजकीय अराजकीय प्रतिष्ठानों द्वारा आयोजित संभाषण, गायन, अभिनय एवं कला की विविध प्रतियोगिताओं में भैया, बहन प्रतिवर्ष अनेक पुरस्कार अर्जित करते हैं।



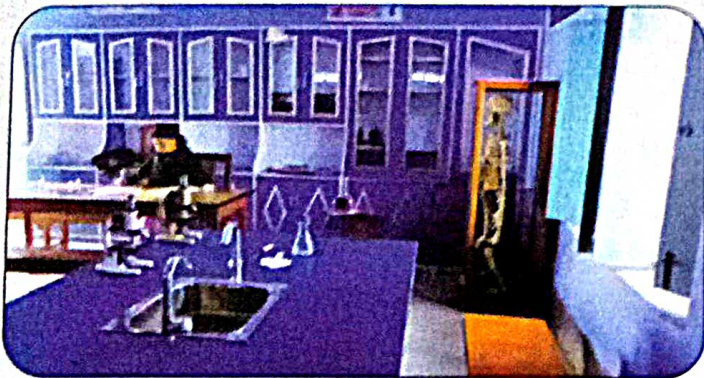
**PHYSICS LAB**



**CHEMISTRY LAB**



**BIOLOGY LAB**



**COMPUTER LAB**



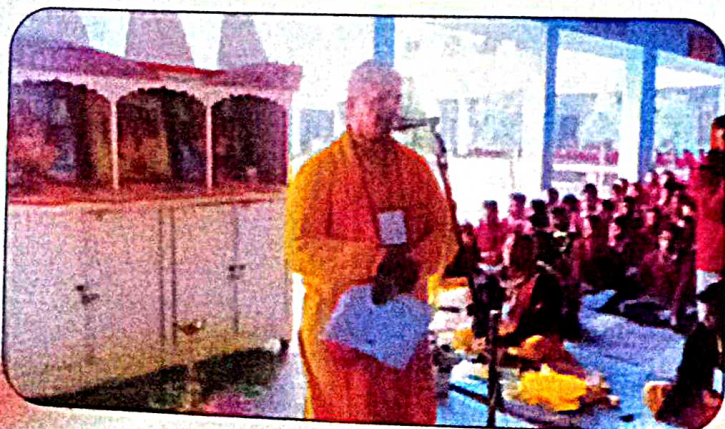
**MATHS LAB**



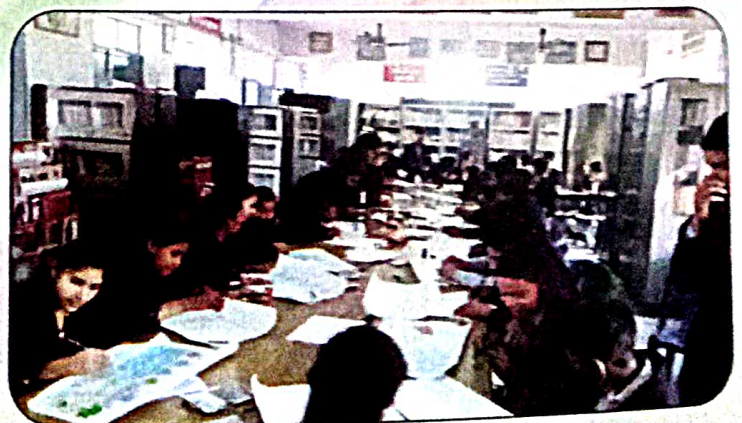
**SMART CLASSES**



**SOCIAL STUDY**



**LIBRARY**





# HOSTEL

## CODE OF CONDUCT

1. The boarders are not allowed to go home except during holidays mentioned in the school calender.
2. Talking to the children on school phones shall be permitted only on sundays, Mobile Phone is not allowed in school premises and in hostel also it may lead penalty or expulsion from hostel or from school too.
3. Parents are requested not to give any kind of cash or valuable like jewellery electronic items etc. for their wards.
4. Applications for switching today schooling by resident students are not entertained during mid sessions if a student quit him/her self or expelled from hostel he/she must pay the installment completely for the period.

## RULES FOR DAY SCHOLAR

1. A fine of Rs. 10/- per day shall be charged on being absent from the school without sanctioned leave.
2. For obtaining leave for more than one day, parents are required to get the leave application sanctioned in person by the wing incharge.
3. If a student remain absent in unit test as well as in terminal exam without permission, he/she will be awarded zero mark re-examination will not be conducted in any case.
4. 90% attendance is compulsory for appearing in annual exams.
5. Carrying mobile phone to school premises is not permitted strictly prohibited.
6. It is mandatory for every student to attend the class in complete school uniform, failing which a student may have to pay fine and face suspension from the classes.

## नियामवली

1. निर्धारित अवकाश के अतिरिक्त छात्रों को घर जाने की आज्ञा नहीं दी जाती।
2. बालक से दूरभाष पर बातों केवल रविवार को ही कराया जा सकता है। मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं है।
3. बालक को नकदी तथा कीमती सामान आदि देकर न जायें।
4. किसी भी आवासीय विद्यार्थी को सत्र के मध्य में गृहवासी बनने की अनुमति नहीं है। सत्र के मध्य में छात्रावास छोड़ने पर या अनुशासनहीनता के कारण निकाले जाने पर छात्रावास शुल्क का सम्पूर्ण अर्धकालिक भुगतान करना पड़ेगा।

## दिवसीय छात्र नियामवली

1. विद्यालय में बिना आवेदन पत्र स्वीकृत करवाए अनुपस्थित रहने पर 10 रूपए प्रतिदिन अर्थदण्ड देना होगा।
2. एक से अधिक दिनों का अवकाश अभिभावक स्वयं विद्यालय आकर विभाग प्रमुख से स्वीकृत करवायेंगे।
3. यदि कोई विद्यार्थी बिना पूर्व स्वीकृति के लघु परीक्षा अथवा सत्रीय परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो दोनों ही स्थितियों में उसे शून्य अंक दिया जाएगा और उस विषय की दोबारा परीक्षा नहीं ली जाएगी।
4. वार्षिक परीक्षा में बैठने के लिए 90% उपस्थिति अनिवार्य होगी।
5. छात्रों को विद्यालय में मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं है।
6. निर्धारित वेश में विद्यालय आना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है। अथूरे अथवा बिना विद्यालय वेश में आने की स्थिति में आर्थिक दण्ड देने अथवा घर वापस भेजने का निर्णय लिया जा सकता है।



## **RULES FOR ADMISSIONS**

1. Admission are usually held in March and April. Presents seeking admission of their children are required to fill up a prescribed, application form obtainable for a fee from the school office.
2. Admission form will have to be filled in and preliminary fees must be paid on the day of admission.
3. The correct date of birth is to be given and it should not be changed later.
4. A transfer certificate will be required from candidates coming from another school.
5. Pupils for admission to classes must pass a written examination in English, Maths, Hindi and other subjects desired by the school authorities.
6. The very condition of admission will be that the parents/ guardian will comply strictly with the terms and rules contained in this prospectus and all the fees and other charges laid down.
7. Any future changes regarding rules and fees will also be binding on them.
8. Two passport size photographs.
9. (a) The original Date of Birth Certificate issue by Municipality / Hospital/ Nurse Home or Court Affidavit.

## **ATTENDANCE**

- Every student is expected to be regular in attendance. He/She should be punctual.
- No child will be allowed to leave the school premises during the class hours.
- Children should not be absent themselves from school without previous permission asked for by the parents or guardian in writing.
- In case of illness a leave not should be sent immediately and on reporting, medical certificate should be submitted.
- A fine may also be charged for absence without leave, if it is found necessary.
- 75% attendance is required for promotion, beside the academic requirements.
- In case of failing above condition students may be terminated from the school.



## DISCIPLINE

1. In no way should students disfigure the walls of the school.
  2. Books, stationery, tiffin-boxes and umbrella should be on the name of the owner and should be carefully kept by the pupils. The school is not responsible for lost articles.
  3. Pupils are expected to make good the damages to furniture, library books and school apparatus.
  4. No student is allowed to leave the class room without the permission of the teacher.
  5. Students are not allowed to use gold ornaments & also watch.
  6. Students are expected to come to school, with lesson revised and homework done.
  7. Children should come to school neatly dressed in clean uniforms.
  8. Parents are requested not to send for or call away their children during school hours.
  9. All texts and note book must be covered.
  10. All correspondence should be addressed to the principal.
  11. Students are not allowed to use or bring mobiles set during the school hours.
- Violation of the rule may lead penalty or expulsion from the school.





### **RULES REGARDING FEES**

1. Fees are deposited in the school office on 5th, 10th, 15th, per month.
2. All the dues should be cleared before annual exam.
3. Fees for April and May should be paid together in April.
4. Incase of the late payment of fee, a fine of Rs. 50/- per month will be charged from defaults.
5. Deposited fees will not be refunded under any circumstances.
6. Fees may be revised by the school in the mid of session if required.
7. Every year fee in total will be enhanced by 10% to 15%

### **SCHOOL CONVEYANCE**

1. Conveyance is available for a limited number.
2. The bus will stop on the main road at particular halts only.
3. Arrangements must be made to bring the child to the bus stop and her / him back home.
4. Conveyance charge is to be paid along with tuition fee monthly.
5. Students wanting to discontinue the use of the school conveyance during the course of the year will be charged the conveyance fee for the whole





## SYALLABUS FOR ENTRANCE EXAM

### CLASS - VI

#### हिन्दी

1. निबंध लेखन (विज्ञान का चमत्कार/गंगा नदी/ प्रदूषण/हमारा गाँव/दीपावली/होली/आपका प्रिय नेता/ अनुशासन/ आपका प्रिय खेल।)  
आवेदन पत्र (प्रधानाचार्य के पास)  
पत्र लेखन (साईकिल/किताब आदि की माँग हेतु पिता के पास)
2. व्याकरण (संज्ञा, सर्वनाम, संधि, विशेषण, क्रिया, मुहावरा, कारक, वाक्य निर्माण, लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द, समानार्थक शब्द, शुद्ध- अशुद्ध आदि)

#### MATH

Decimal System, Integers, Fraction, Algebraic Formulas, Basic Geometrical Idea, Profit - loss, Percentage etc.

#### ENGLISH

Essay Writing (Our school / Summer Vacation / A Football Match / National Flag/Diwali/ Your best Teacher/ Your Class Teacher.

Application (To the Principal for leave)

Letter (To friend to attend on your Birthday party/ Marriage Ceremony).

Grammar/ Translation (Parts of Speech, Tense, Case, Adjectives, Determines Voice, Question Tags)

#### GENERAL KNOWLEDGE

Based on Current Topics.

### CLASS - VII

#### हिन्दी

- निबंध - मेरा देश, सरस्वती पूजा, अपना विद्यालय, आपका प्रिय खेल, समाचार पत्र, दीपावली, अनुशासन, वर्षा ऋतु, भारतीय किसान।
- पत्र - मित्र के पास पत्र लिखकर विद्यालय में होने वाले उत्सव का वर्णन करें। अथवा किताब खरीदने के लिए पिता को पत्र लिखना।
- आवेदन - प्रधानाचार्य के पास छुट्टी के लिए आवेदन। अथवा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आवेदन।
- व्याकरण - वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, वाक्य, संधि, विशेषण, पर्यायवाची शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।



## ENGLISH

- Essay:** Discipline, Trees, Farmer, An Accident, My Best Teacher, My Country, A Rainy Day
- Letter:** To your friend telling about the Football Match in your School or, To your friend inviting him / her to your birthday party. or, To your father about your hostel life.
- Application:** To the Principal Seeking leave for four days. or, To the principal Seeking Permission to sing a devotional song,
- Grammar:** Parts of speech, Tense, Voice, Phrases, Narration, Synonyms, Antonyms Determiners, Degrees of Comparisons.
- Translation:** Based on all Topics.

## MATHS

Integers, Fraction and Decimals, Rational Number, Algebraic Expression, Area and Volume, Square Root and Cubic Root, Linear equation.

## GENERAL KNOWLEDGE

Based on Current Topics.

## CLASS - VIII

## हिन्दी

- निबंध -** समय का सदुपयोग, अनुशासन, आपका प्रिय नेता, रक्षाबंधन, वर्षा ऋतु, बाढ़, दुर्गा पूजा, परिश्रम का महत्व, विज्ञान से लाभ/हानि, देशभक्ति, मित्रता।
- पत्र -** अपने मित्र के जन्मदिन के अवसर पर बधाई पत्र अथवा अपने पिता को पत्र लिखें जिसमें विद्यालय के वार्षिकोत्सव का वर्णन हो अथवा वन संरक्षण के महत्व को समझाते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।
- आवेदन -** अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को पत्र।
- व्याकरण -** वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, मुहावरे, वाक्य, लिंग, कारक, वाक्य, प्रत्यय, समास, पर्यायवाची शब्द, एकार्थक एवं अनेकार्थक शब्द, अलंकार एवं भेद।



## ENGLISH

- Essay:** Use of mobile phone / your native village/ Mahatma Gandhi / your favourite subject/ computer / School
- Letter:** To your friend congratulation him / her on receiving award or.  
To your friend inviting him to your 14th birthday Party.  
Or, To your father for a cycle.
- Application :** To the principal for leave, or To the Principal to grant your scholarship  
Or To the Principal to Participate in Science fair.
- Grammar:** Parts of Speech, Synonyms and antonyms, Sentences & its Kinds, Phrases, Voice, Narration, Question Tag, Degrees of Comparison, Punctuation & Translation.

## MATH

Square and square roots, cube and cube roots, Algebraic expression, Factorisation, Percentage, Data handling, Number system, Rational Numbers, Linear equation, Exponents & Powers etc.

## GENERAL KNOWLEDGE

Based on Current Topics.

### CLASS - IX

## हिन्दी

- निबंध -** देश -प्रेम, ग्रीष्म ऋतु, छात्र जीवन, भारतीय अर्थव्यवस्था, दहेज - प्रथा, आतंकवाद, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और व्यायाम, दूरदर्शन, परोपकार, महंगाई।
- पत्र -** मित्र के पास बधाई पत्र / शुभकामना पत्र / ऐतिहासिक स्थल का वर्णन।
- आवेदन -** प्रधानाचार्य के पास छुट्टी संबंधित आवेदन।  
अथवा, पुस्तक के लिए पुस्तकाध्यक्ष के पास आवेदन।
- व्याकरण -** समास परिभाषा एवं भेद/एकार्थी/अनेकार्थ, समानार्थी, विलोम शब्द, लिंग, वाक्य- संरचना, संधि व समास में अंतर, उपसर्ग व प्रत्यय में अंतर, कारक, पर्यायवाची शब्द, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द।



## ENGLISH

- Essay:** Morning Assembly in my school, Global warming, Science & Technology, Importance of mobile phones, Corruption in India, A memorable day, Dowry as a social evil.
- Letter:** To your friend describing a function held at your school.  
or, To the editor for irregular supply of electricity.  
or, To the superintendent of Police to maintain law and order.  
or, To your father about your hostel life.
- Application:** To the Principal for special classes.  
Or, To the principal advising to take part in co-curricular activities.  
Or, To the principal to arrange a blood donation camp.
- Grammar:** Narration, Syntax, Clauses, Modals, Non-finite verb, Voice, Remove 'Too' Conjunction, determiners, prepositions, Tense

## MATH

Number system, Algebra - Polynomials, Introduction, basic terms and definitions intersecting and parallel lines. Mensuration & Geometry.

## GENERAL KNOWLEDGE

Based on Current Topics.





## SCHEME OF STUDIES FOR

### Senior Secondary (10+2) Academic Stream

The learning areas will include :

#### One core language out of two :

English (Core) and Hindi (Core)

#### Note:

1. Out of the languages, one shall be English or Hindi, Both English and Hindi Can also be offered simultaneously.
2. The language may be offered at core/ elective level. The same language however cannot be offered both at the core level and elective level.

#### Three elective out of the following:

3. Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, Economics, Business Studies, Accountancy, Fine Art, Computer Science/ Information Practices, Physical Education, Music and Dance, Hindi, English.
4. Environmental Science (Compulsory)
5. General Studies
6. Work Experience.
7. Physical and Health Education.





## OUR TEACHING STAFFS

### Senior Secondary & Senior Secondary Section

**Sri Ramji Prasad Sinha** (Principal)

**Sri Ashok Kumar Mishra** (Vice-Principal)

#### ENGLISH

- |                            |     |
|----------------------------|-----|
| 1. Dr. Sanjeev Kumar Jha   | PGT |
| 2. Sri Shekhar Kumar Jha   | TGT |
| 3. Sri Kumar Amresh Ranjan | TGT |
| 4. Md. Saidur Rahman       | TGT |
| 5. Sri Sanjeev Kumar       | TGT |

#### HINDI

- |                            |     |
|----------------------------|-----|
| 1. Smt. Kumari Sawita      | TGT |
| 2. Sri Sanjiv Kumar Mishra | TGT |

#### SANSKRIT

- |                             |     |
|-----------------------------|-----|
| 1. Sri Deepak Kumar Jha     | TGT |
| 2. Sri Anil Mishra          | TGT |
| 3. Sri Rajesh Kumar Mishra  | TGT |
| 4. Sri Chandan Kumar Pandey | TGT |
| 5. Smt. Kumari Soni         | TGT |

#### MATHEMATICS

- |                           |     |
|---------------------------|-----|
| 1. Sri Abhimanyu Kumar    | PGT |
| 2. Sri Mahesh Kumar       | TGT |
| 3. Sri Luv Kumar Tripathi | TGT |
| 4. Sri Kaushal Kumar      | TGT |
| 5. Smt. Pinki Kumari      | TGT |

#### PHYSICS

- |                                 |     |
|---------------------------------|-----|
| 1. Dr. Ved Prakash              | PGT |
| 2. Sri Krishna Nandan Pd. Verma | TGT |
| 3. Sri Alok Kumar               | TGT |

#### CHEMISTRY

- |                               |     |
|-------------------------------|-----|
| 1. Sri Ashok Kumar Mishra     | PGT |
| 2. Sri Manoj Kumar Gupta      | TGT |
| 3. Sri Siddhartha Kumar Singh | TGT |
| 4. Smt. Prabha Jha            | TGT |
| 5. Sri Deepak Kumar           | TGT |

#### BIOLOGY

- |                        |     |
|------------------------|-----|
| 1. Smt. Isha Kumari    | PGT |
| 2. Smt. Shalini Kumari | TGT |
| 3. Sri Sushil Kumar    | PGT |

#### COMMERCE

- |                           |     |
|---------------------------|-----|
| 1. Sri Ramji Prasad Sinha | PGT |
| 2. Smt. Lily Kumari       | PGT |
| 3. Sri Binod Pandey       | PGT |
| 4. Sri Bambam Thakur      | PRT |

#### SOCIAL SCIENCE

- |                               |     |
|-------------------------------|-----|
| 1. Sri Subodh Kumar Choudhary | TGT |
| 2. Sri Amrendra Kumar         | TGT |
| 3. Sri Uttam Kumar Mishra     | TGT |
| 4. Sri Rajeev Lochan Jha      | TGT |
| 5. Sri Abdhesh Kumar Bharti   | TGT |
| 6. Sri Jitendra Prasad        | TGT |

#### PHYSICAL EDUCATION

- |                          |     |
|--------------------------|-----|
| 1. Sri Ashok Kumar Singh | TGT |
|--------------------------|-----|

#### COMPUTER

- |                           |     |
|---------------------------|-----|
| 1. Sri Satish Kumar Gupta | TGT |
| 2. Sri Amit Anand         | TGT |
| 3. Sri Gautam Bharti      | TGT |

#### FINE ART (PAINTING)

- |                   |     |
|-------------------|-----|
| 1. Sri Ajay Kumar | PGT |
|-------------------|-----|

#### MUSIC

- |                           |     |
|---------------------------|-----|
| 1. Sri Binay Kumar Shukla | TGT |
| 2. Smt. Jyoti Kumari      | TGT |

#### PRT

- |                             |
|-----------------------------|
| 1. Sri Pradip Kumar Singh   |
| 2. Sri Sashi Bhushan Mishra |
| 3. Sri Sanjeev Kumar Thakur |
| 4. Sri Sanjay Mandal        |
| 5. Sri Atul Kumar Dubey     |
| 6. Sri Abhijit Acharya      |
| 7. Sri Manoj Kumar Tiwari   |
| 8. Sri Rajesh Kr. Mishra    |

#### OFFICE

- |                           |           |
|---------------------------|-----------|
| 1. Sri Bal Krishna Tiwari | OS        |
| 2. Sri Prem Kumar Yadav   | Assistant |
| 3. Sri Rajib Verma        | Assistant |

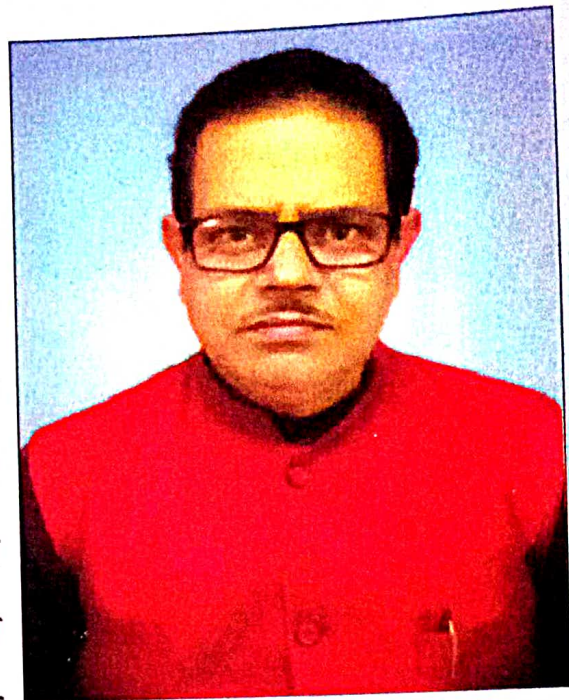
#### LIBRARY

- |                     |
|---------------------|
| 1. Sri Ajay Kumar   |
| 2. Sri Pritam Kumar |



## उप-प्रधानाचार्य की कलम से

गणपतराय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर, नरगाकोठी, चम्पानगर, भागलपुर एक उदात्त लक्ष्य लेकर करीब 30 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में भैया-बहनों के निर्माण में सार्थक और सशक्त भूमिका का निर्वाह कर रही है। भारत की उज्ज्वल व गौरवपूर्ण परंपराओं के आधार पर अर्वाचीन उपयोगी शिक्षा और शिक्षा तकनीकी तथा नवाचार युक्त विचारों का सामंजस्य बनाते हुए समाज-बोध, राष्ट्रबोध, संस्कृति बोध और अध्यात्म बोध से ओत-प्रोत पीढ़ी का निर्माण हमारा अभिप्रेत है। सर्वांगीण विकास की संकल्पना पर शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का सुसंपादन कर ज्ञान, कौशल और भाव प्रवणता से युक्त भैया-बहनों के



निर्माण का हमारा दृष्टिकोण सार्थक सिद्ध हो रहा है। प्रत्येक मनुष्य में अलौकिक शक्तियों का भण्डार भरा पड़ा है। इन शक्तियों के बल पर वह असम्भव को भी संभव बना सकता है, सब कुछ कर सकता है। आवश्यकता है इन शक्तियों को पहचानने की, जाग्रत करने की और इनका सदुपयोग करने की। अपना विद्यालय भैया-बहनों के उन अदृश्य शक्तियों को जाग्रत करने तथा उनके जीवन मूल्य को समझाने का हर सम्भव प्रयास करती है। क्योंकि शरीर में सन्निकहित अद्भूत शक्तियाँ जब अच्छे कार्यों में लगती हैं तो मनुष्य की कीर्ति का शिखर निर्मित होता है, उज्ज्वल इतिहास बनता है और जनमानस में उसकी छवि श्रद्धास्पद बन जाती है। हम सभी जानते हैं शिक्षण प्रक्रिया एक कला है, हमारे आचार्य शिक्षण कला में निपुण हैं, वे अपनी इस विशिष्ट शिक्षण कला के माध्यम से विषय वस्तु को कक्षा कक्ष में भैया-बहनों के समक्ष प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करते हैं।

वर्तमान में शिक्षा के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं, जैसे समाज में अंग्रेजी के प्रति आकर्षण, दूरदर्शन द्वारा संस्कारों पर आघात, बालको के प्रति अभिभावकों की उच्च आकांक्षा शिक्षा में गुणवत्ता का हास, शिक्षा में सृजनात्मकता का आभाव तथा इसका व्यवसायीकरण हम इन चुनौतियों का सामना सफलता पूर्वक करते हुए इस विद्यालय के भैया-बहनों को इन चुनौतियों से मुक्त कराते तथा उन्हें लक्ष्य तक जाने के लिए संकल्पित कराते हैं। क्योंकि अटूट संकल्पों से प्राप्त होने वाली सफलता संकल्पकर्ता को भी आश्चर्य चकित कर देती है।

--: इतिशुभम् :-

(अशोक कुमार मिश्र)



## नामांकन शुल्क विवरणी (सत्र 2020-2021)

समस्त राशि - रुपये में

क्र.सं.	विवरण	षष्ठ	सप्तम् अष्टम्	नवम्	दशम्	एकादश (विज्ञान)	एकादश (वाणिज्य)	द्वादश (विज्ञान)	द्वादश (वाणिज्य)
1.	शिक्षण शुल्क	1900	1900	2000	2000	2600	2600	2600	2600
2.	प्रवेश/पुनर्नामानक शुल्क	1000	1000	1000	1000	1500	1500	1500	1500
3.	विलम्ब शुल्क	50	50	50	50	50	50	50	50
4.	प्रान्तीय शुल्क	1900	1900	2000	2000	2600	2600	2600	2600
5.	विकास शुल्क (विज्ञान+स्मार्टक्लास+कम्प्यूटर+उत्सव+प्रां.व.भ.+पत्रिका+प.पत्र+अ.नि.+आ.क.)	2000	2000	2200	2200	5000	3000	5000	3000
6.	परीक्षा शुल्क (परीक्षा+ प्रगति पत्र+पंजीयन)	500	500	750	1500	1500	1500	2500	2500
7.	प्रतियोगिता शुल्क (क्रीड़ा+ अर्चना सा. ज्ञान+सं.ज्ञान)	500	500	500	500	1000	1000	1000	1000
8.	विद्युत शुल्क	1000	1000	1000	1000	1250	1250	1250	1250
9.	प्रवेश पत्र	500	500	500	500	500	500	500	500
10.	भवन	500	500	500	500	750	750	750	750
11.	पुस्तकालय शुल्क	250	250	250	250	500	500	500	500
12.	अन्य	50	50	50	50	50	50	50	50
कुल राशि (नवीन भैया/बहन हेतु)		10100	10100	10750	11500	17250	15250	18250	16250
कुल राशि (पूर्व नामांकित भैया/बहन हेतु)		8550	8550	9200	9950	15200	13200	16200	14200

- पूर्व नामांकित भैया/बहन हेतु कक्षा षष्ठ से द्वादश हेतु क्र.सं. 02,3,9 एवं क्र.सं. 12 में से रू० 50.00 (बेल्ट हेतु) कुल राशि में नहीं जोड़ा गया है। अगर वे बेल्ट लेना चाहेंगे तो उन्हें बेल्ट की राशि देना होगा।
- नवीन भैया/बहन हेतु भी कक्षा षष्ठ से द्वादश हेतु क्र.सं. 2 (विलंब शुल्क) कुल राशि में नहीं जोड़ा गया है।
- कक्षा दशम् एवं द्वादश हेतु परीक्षा शुल्क (CBSE/Board Fee) माहसितम्बर-अक्टुबर में अलग से देय होगा।
- स्थानांतरण प्रमाण पत्र हेतु रू० 1000.00 देय होगा।



# हिन्दुस्तान

तस्वक्ती को चाहेपर जया मजराखा

# दैनिक जागरण

देश के लिए त्याग करना ही भारतीय शिक्षा का मूल उद्देश्य है : रामजी प्रसाद

## सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं का रोल अहम



सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं का रोल अहम है। वे न केवल घर के कामों में योगदान देती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाती हैं।

महिलाओं के सामाजिक परिवर्तन में एक बड़ा योगदान है। वे न केवल घर के कामों में योगदान देती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाती हैं।



देश के लिए त्याग करना ही भारतीय शिक्षा का मूल उद्देश्य है : रामजी प्रसाद

# दैनिक भास्कर

## अपने ज्ञान से समाज को सही दिशा देने वाला ही गुरु हैं : ख्याली रामजी

अपने ज्ञान से समाज को सही दिशा देने वाला ही गुरु हैं : ख्याली रामजी



अपने ज्ञान से समाज को सही दिशा देने वाला ही गुरु हैं : ख्याली रामजी

अपने ज्ञान से समाज को सही दिशा देने वाला ही गुरु हैं : ख्याली रामजी

# प्रभात खबर

## संस्कारयुक्त शिक्षा से ही परिवर्तन संभव



संस्कारयुक्त शिक्षा से ही परिवर्तन संभव

# हिन्दुस्तान

तस्वक्ती को चाहेपर जया मजराखा

## नृत्य व गायन में राजगीर के बच्चों का रहा दबदबा



नृत्य व गायन में राजगीर के बच्चों का रहा दबदबा

# दैनिक जागरण

## संगीत से होता है मानसिक और शारीरिक विकास



संगीत से होता है मानसिक और शारीरिक विकास

## परिवार और सबल समाज का मेरुदंड है नारी



परिवार और सबल समाज का मेरुदंड है नारी

# प्रभात खबर

## संस्कारयुक्त शिक्षा से ही परिवर्तन संभव



संस्कारयुक्त शिक्षा से ही परिवर्तन संभव





## OUR MISSION

is to develop national education system  
through which a generation of  
youth can be produced  
who is full of patriotism  
and Hinduism  
who is physically, vitally  
mentally, intellectually and  
spiritually fully developed  
and  
who can successfully  
meet the present challenges  
of life and who is committed to  
well harmonize; enrich  
and refine national life  
by setting the downtrodden, deprived brethren  
dwelling in villages, forests, hill-caves and slums  
free from social malpractices, exploitation and  
injustice

**Vidya Bharti**

